ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–35
दिनांक- मंगलवार, 07 मई, 2024

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 39.0 एवं 18.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 55 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 30 प्रतिशत, हवा की औसत गति 14.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 8.5 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 8.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 23.1 एवं दोपहर में 36.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(08–12 मई, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 08–12 मई, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि मे आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाए रह सकते है। अगले 48 घंटों तक वर्षा की सम्भावना बने रहने का अनुमान है तथा इस अवधि में उत्तर बिहार के अनके स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। उसके बाद मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 20–22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 40 से 60 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 18 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 48 घंटों तक तक वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यो में सर्तकता बरते। इस दौरान रबी मक्का की कटनी–दौनी नहीं करें। खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित रखें।
- अदरक की बुआई 15 मई से करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुसंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 30 से 40 किलोग्राम, स्फूर 50 किलोग्राम, पोटास 80 से 100 किलोग्राम जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम एवं बोरेक्स 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 20–30 ग्राम जिसमें 3 से 4 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X20 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के 0.2 प्रतिषत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- हल्दी की बुआई किसान भाई 15 मई से करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुसंसित है। खेत की जुताई में 25 से 30 टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन 60 से 75 किलोग्राम, स्फूर 50 से 60 किलोग्राम, पोटास 100 से 120 किलोग्राम एवं जिंक सल्फेट 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30–35 ग्राम जिसमें 4 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दूरी 30X20 से0मी0 तथा गहराई 5 से 6 से0मी0 रखे। अच्छे उपज के लिए 2.5 ग्राम दाईथेन एम0 45+0.1 प्रतिषत कारवेन्डाजीम प्रति किलोग्राम बीज की दर से घोल बनाकर उसमें आधा घंटे तक उपचारित करने के बाद बुआई करे।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। खरीफ मक्का की बुआई 25 मई से करें।
- उरद् और मूंग की फसल में पीला मोजैक वायरस से ग्रस्त पौधों को उखार कर नष्ट कर दें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियॉ तथा फलियॉ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा में लाल भृंग कीट से बचाव हेतु डाइक्लोरफॉस 76 इ0सी0 1 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- ओल के गजेन्द्र किस्म की रोपाई संपन्न करें। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75X75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे।
- भिंडी की खड़ी फसल पर जैसीड एवं बोरर का प्रकोप होने पर नीम आधारित दवाएँ जैसे नीमीगोल्ड, नीमीसाईड का प्रयोग 2 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800–1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। देर से पकने वाली किस्मों की नर्सरी 25 मई से लगा सकते हैं।
- सभी दुधारु पशुओं को गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से वचाव के लिए टीकाकरण करायें। नए गेहूँ के भूसा को खिलाने के पूर्व करीब 2 घंटा पानी में फुला लें एवं 50 ग्राम खनिज मिश्रण तथा 50 ग्राम नमक, चारा–दाना मिलाकर दें।

आज का अधिकतम तापमानः 36.7 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 22.1 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी/वैज्ञानिक (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)